औंटा-सिमरिया छह लेन पुल का पीएम 22 को उद्घाटन करेंगे

पटना/बेगूसराय, हिटी। 22 अगस्त को बिहार दौरे पर आ रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गंगा नदी पर बनकर तैयार हो चुके औंटा-सिमरिया (मोकामा, पटना-बेगूसराय) छह लेन पुल का उद्घाटन करेंगे। गयाजी के साथ ही प्रधानमंत्री 15 मिनट के लिए बेगूसराय का भी दौरा करेंगे। पीएम के बेगूसराय दौरे को लेकर रविवार को बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने खुद कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह, विधायक कुंदन कुमार, बेगूसराय डीएम तुषार सिंगला और एसपी मनीष सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। मुख्य सचिव ने प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई आदि की समीक्षा की। प्रधानमंत्री के सिमरिया रिवर फ्रंट के निरीक्षण की भी संभावना है। इसके आलोक में मुख्य सचिव ने एचयूआरएल, एनटीपीसी स्थल का भी निरीक्षण किया। जिला पुलिस-प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक निर्देश दिये। डीएम ने मुख्य सचिव को आगामी परियोजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। डीएम को योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता व समयबद्धता सुनिश्चित कराये जाने पर जोर दिया।

गंगा नदी पर बने औंटा-सिमरिया छह लेन पुल का 22 को प्रधानमंत्री उद्घाटन करेंगे।

बख्तियारपुर-मोकामा चारलेन सड़क का भी लोकार्पण होगा

उत्तर बिहार से दक्षिण बिहार को जोड़ने वाला औंटा-सिमरिया पुल की लम्बाई 8.150 किमी है। नदी में इसकी लम्बाई 1.865 किमी है। 1871 करोड़ से बना यह पुल राजेन्द्र पुल के समानांतर है। इसके बनने से बेगूसराय समेत संपूर्ण क्षेत्र के विकास को एक नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2015 में बिहार के लिए विशेष पैकेज में इस पुल के निर्माण की घोषणा की थी। वर्ष 2017 में इसकी आधारशिला रखी गई थी। इस पुल के बनने से पटना से मोकामा-बेगूसराय होते हुए खगड़िया तक 4 लेन सड़क की संपर्कता सुनिश्चित हो जाएगी। पीएम 22 अगस्त को ही बख्तियारपुर-मोकामा चार लेन सड़क का भी उद्घाटन करेंगे। इस सड़क की लम्बाई 44.60 किलोमीटर है। इसके निर्माण में 1899 करोड़ खर्च हुए हैं।

पूर्व पीएम नेहरू ने किया था राजेन्द्र सेतु का उद्घाटन

पहले से बने राजेन्द्र सेतु (सड़क-सह-रेल पुल) का शिलान्यास देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने वर्ष 1956 में किया था, जबकि उद्घाटन देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह ने वर्ष 1959 में किया था। पिछले 70 वर्षों में यातायात में हुई भारी वृद्धि से राजेन्द्र सेतु यातायात की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम नहीं रहा। लोग जाम की समस्या झेल रहे थे। छह लेन पुल के चालू होने से लोगों को सुविधा होगी और लोग कम समय में अपना सफर पूरा कर सकेंगे। पूर्णिया-भागलपुर समेत अन्य जिलों के लोगों को पटना आने-जाने में यातायात का दबाव नहीं झेलना होगा।